औद्योगिक विकास विभाग ने 33,493 औद्योगिक प्लॉटों का किया सर्वे, 8235 मिले खाली, सबसे ज्यादा यीडा के

प्लॉट मिलने के वर्षों बाद भी नहीं लगाई इंडस्ट्री, अब निरस्त होंगे

Anand.Tripathi
@timesofindia.com

लखनऊ : प्रदेश में निवेशकों को आसानी से जमीन मिल सके, इसलिए औद्योगिक विकास विभाग ने औद्योगिक विकास प्राधिकरण में ऐसे इंडस्ट्रियल प्लॉटों को चिह्नित करना शुरू कर दिया है जिन पर आवंटमेंट के कई साल बाद भी कोई इंडस्ट्री नहीं लग सकी है। इसके लिए औद्योगिक विकास विभाग प्लॉटों का सर्वे करवा रहा है। अब तक सभी औद्योगिक विकास प्राधिकरणों के 77 प्रतिशत प्लॉटों का सर्वे पूरा हो गया है। 33,493 यूनिटों के सर्वे में करीब 25 प्रतिशत प्लॉट खाली पड़े मिले हैं। वहीं, 15 प्रतिशत प्लॉट गैर कार्यशील हैं। अब औद्योगिक विकास विभाग ऐसे भूखंड के आवंटन को निरस्त कर नए सिरे से खाली प्लॉटों का आवंटन करने की तैयारी कर रहा है।

कई प्लॉटों पर इंडस्ट्री लगी पर चल नहीं रही

सर्वे एजेंसी की ओर से करवाए गए 33,493 प्लॉटों के सर्वे में 8235 प्लॉट खाली पाए गए हैं। वहीं, 5123 प्लॉट अन्य गैर कार्यशील श्रेणी (जहां इंडस्ट्री लगी तो लेकिन चल नहीं रही) में मिले हैं। 17,095 प्लॉटों में व्यावसायिक संचालन शुरू हो गया है। वहीं, 3040 प्लॉटों में इंडस्ट्री का निर्माण किया जा रहा है।

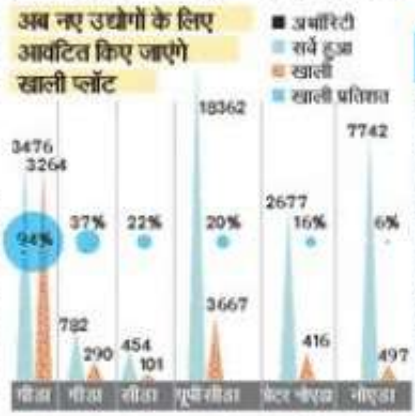

यूपीसीडा और यीडा में खाली प्लॉटों की संख्या ज्यादा

सर्वे एजेंसी की रिपोर्ट के मुताबिक यमुना एक्सप्रेस-वे इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट अथॉरिटी यानि यीडा में सबसे ज्यादा प्लॉट खाली हैं। यीडा में करीब 3264 प्लॉट खाली हैं। 6 अन्य गैर कार्यशील हैं। यीडा में कुल 3476 प्लॉटों का सर्वे किया जा चुका है। वहीं, यूपीसीडा के 18362 प्लॉटों का सर्वे किया गया, जिसमें से 3465 अन्य गैर कार्यशील श्रेणी में पाए गए हैं, जबकि 3667 प्लॉट रिक्त पाए गए हैं। नोएडा में 7742 औद्योगिक प्लॉटों का सर्वे किया गया, जिसमें 1135 अन्य गैर कार्यशील श्रेणी में और 497 प्लॉट खाली पाए गए हैं। बेटर नोएडा में 2677 प्लॉटों के सर्वे में 416 प्लॉट रिक्त पाए गए हैं।

क्यों करवाया जा रहा सर्वे?

प्रदेश में निवेश को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन किया था। जिसमें राज्य सरकार को 40 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले थे। इन निवेश प्रस्तावों को जमीन पर उतारने के लिए इंडस्ट्री को औद्योगिक भूखंड सुलभ कराने में दिक्कतें आ रही हैं। बार-बार ऐसी शिकायतें आ रही थीं कि इंडस्ट्रियल एरिया में कई आवंटित प्लॉट खाली हैं।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

इसी शिकायतों के आधार पर इंडस्ट्री विभाग सर्वे करवा रहा है, जिससे खाली पड़े प्लॉटों का आवंटन निरस्त कर नए उद्योगों को जमीन सुलभ कराई जा सके। इससे प्रदेश में इंडस्ट्री को बढ़ावा मिल सके।